राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण

July 15, 2024

स्कूलों में पाठ्यक्रम और शिक्षण-शास्त्र

ALOK K SHARMA

State Nodal Officer for SCF &

Head, Curriculum Department, SCERT

NEP 2020 RECOMMENDATIONS.....

Competency Based Teaching	Encouraging 21st Century Skills	No silos between scholastics and co-scholastics	Transforming assessment for student development	Holistic Progress card
Health Education	Digital Literacy	Promotion of multi lingual teaching	Development of scientific temper	Values and Ethics
Introduction of contemporary subjects like AI, Data Science, Design Thinking	Mathematical and Computational Thinking	Experiential Learning	Continuous Professional Development of teachers	Inclusive Practices
Effective Governance	Increased focus on Foundational Literacy and Numeracy	New Pedagogical Structure	Vocational Education	Knowing India

स्कूलों में पाठ्यक्रम और शिक्षण-शास्त्र

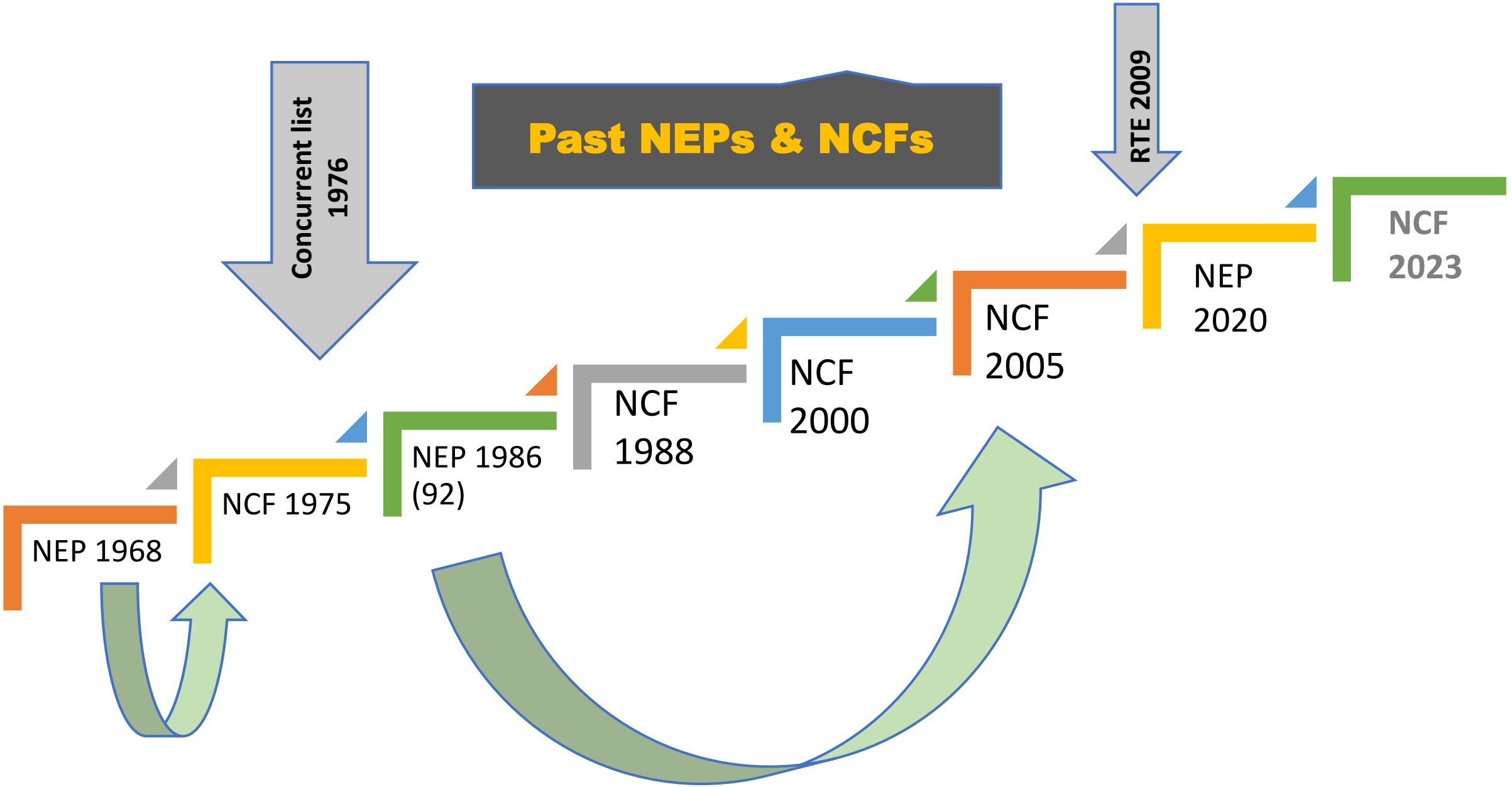

स्कूलों में पाठ्यक्रम और शिक्षण-शास्त्र

अनुशंसा-

- ❑ 5+3+3+4 के नए डिजाईन में स्कूल पाठ्यक्रम और शिक्षण-शास्त्र को पुनर्गठित करना
- ❑ कला और विज्ञान के बीच, पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों के बीच, व्यावसायिक और शैक्षणिक धाराओं के बीच कोई अलगाव नहीं।

स्टेज	कक्षा	वर्ष
फाउंडेशनल स्टेज (दो भागों में)	आंगनवाड़ी/प्री-स्कूल के 3 साल + प्राथमिक स्कूल में कक्षा 1-2 में 2 साल,	3 से 8 वर्ष
प्रिपरेटरी स्टेज	कक्षा 3-5,	8 से 11 वर्ष
मिडिल स्कूल स्टेज	कक्षा 6-8	11 से 14 वर्ष
सेकेंडरी स्टेज (कक्षा 9 से 12, दो फेज में)	पहले फेज में 9 और 10 और दूसरे में 11 और 12,	14 से 18 वर्ष

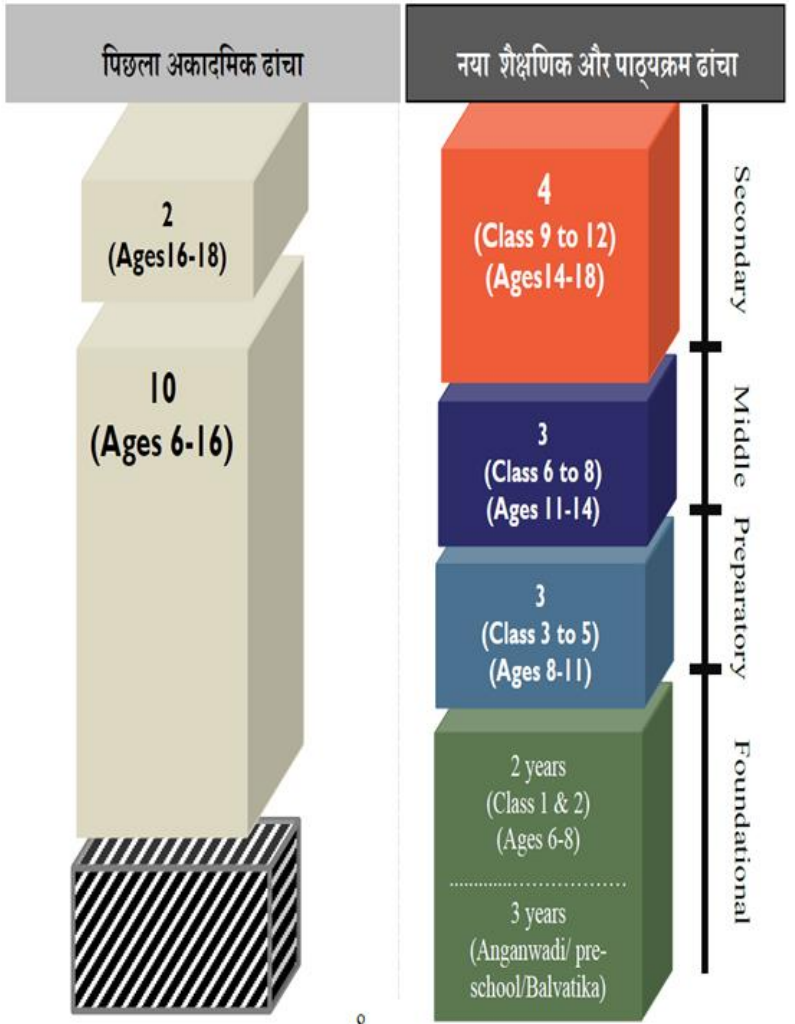

NEP 2020 – Recommends 4 National Curriculum Frameworks

School Education

Early Childhood Care and Education

Teacher Education

Adult Education

Focus Groups – TWENTY FIVE
25 Important themes drawn from NEP 2020

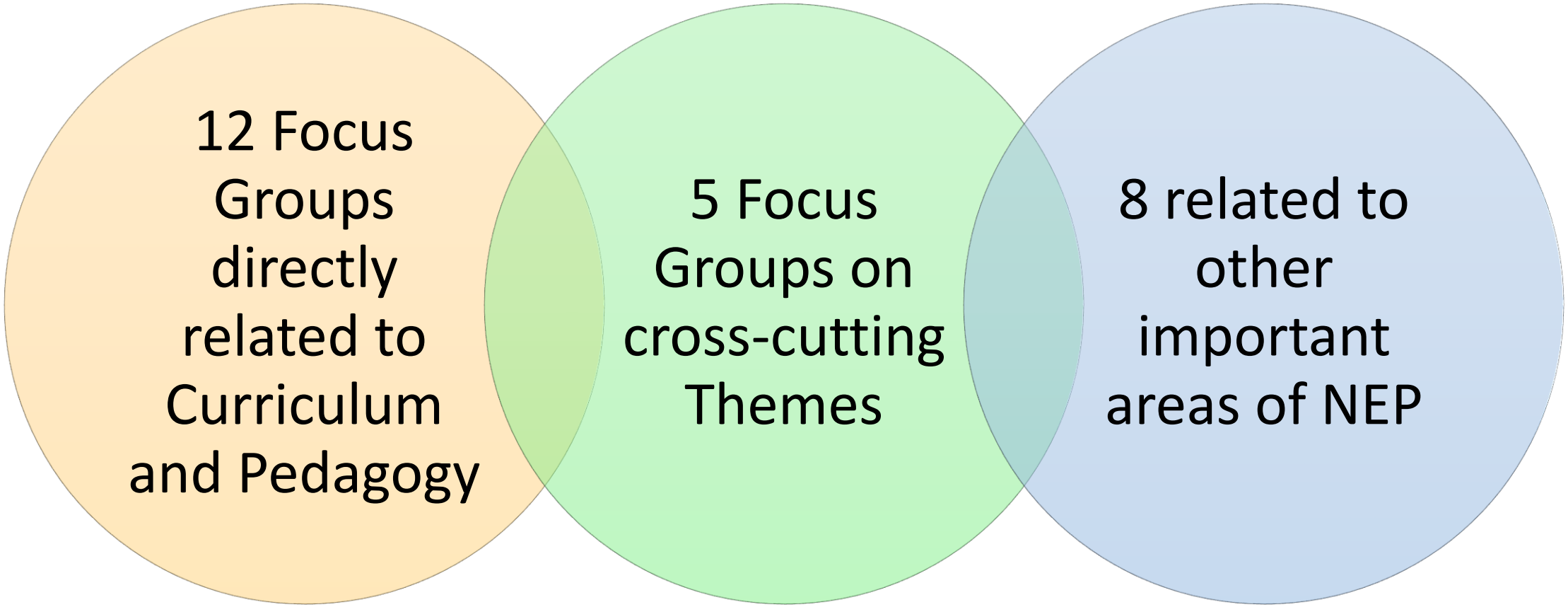

12 Themes directly related to Curriculum and Pedagogy

Philosophy of Education	Pre-School education (ECCE) and FLN	Curriculum and pedagogy	Science Education
Environmental Education	Mathematics Education and Computational and Mathematical Thinking	Education in Social Sciences	Arts Education
Vocational Education in Schools	Language Education	Health and Well – being, sports, yoga and Fitness	Reforms in Examination and Holistic Progress Cards

5 Cross-cutting Themes

Knowledge of India

Value Education

Gender Education

Education Technology in School Education

Inclusive Education

8 Themes related to other Important Areas of NEP, 2020

- Teacher Education
- School Governance and Leadership
- Alternative Ways for Schooling
- Guidance and Counselling
- Publication of Quality Textual and non-textual Material: Issues, Challenges and the Way Forward
- Emerging Role of Community in Education
- Linkages between School Education and higher education
- Adult Education

NCFSE 2023 Recommends Choice Based Courses (for class 10th & 12th)

- Science, Commerce and Humanities में विभाजित करने के बजाय, कक्षा 12 के छात्रों को 08 पाठ्यचर्या क्षेत्रों में से पसंद-आधारित पाठ्यक्रमों का चयन का विकल्प
- प्रत्येक विषय में चार विकल्प-आधारित पाठ्यक्रम
- **12वीं कक्षा**:- कम से कम 03 पाठ्यचर्या क्षेत्रों से अपनी पसंद के 16 पाठ्यक्रम पूरे करने होंगे।
- **10वीं कक्षा**:-छात्रों को कक्षा 9 और 10 में 8 पाठ्यचर्या क्षेत्रों से 2 आवश्यक पाठ्यक्रम पूरे करने होंगे। **(कक्षा 9 और 10 में कुल 16 पाठ्यक्रम)**

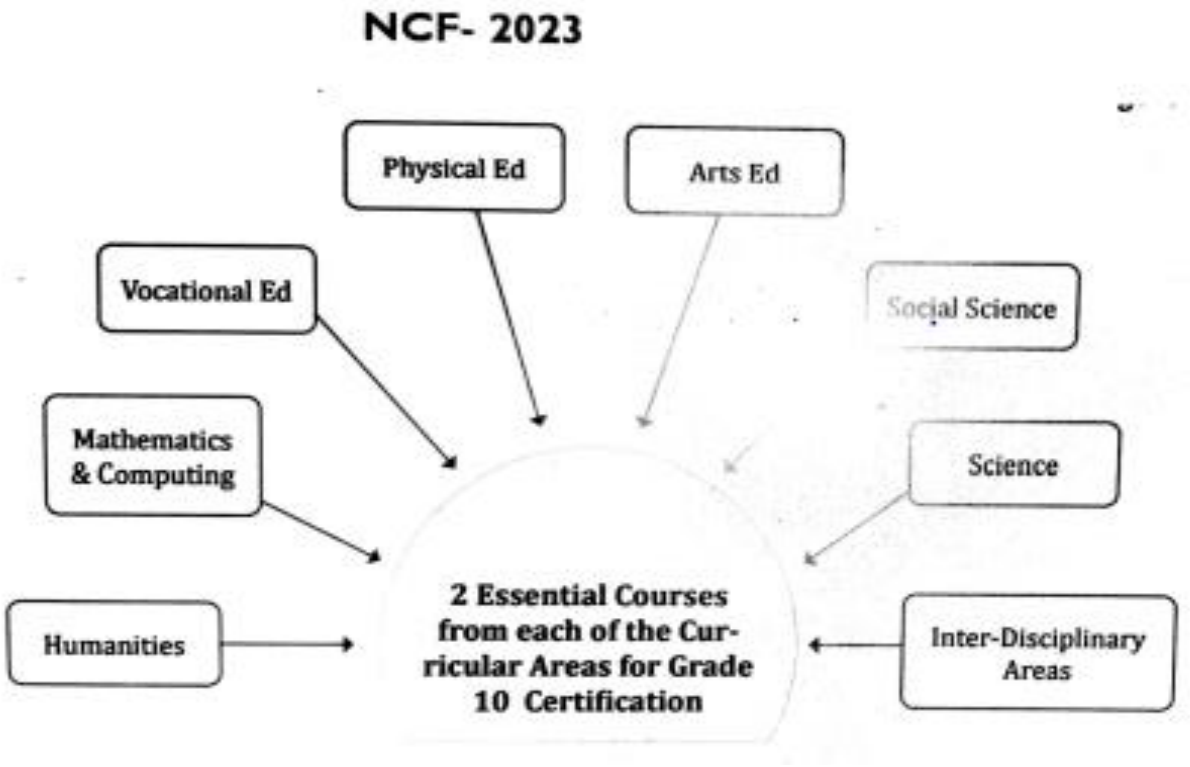

Total 8 Curricular Areas

1. Humanities (including languages)
2. Mathematics and computing.
3. Vocational education.
4. Physical education
5. Arts
6. Social sciences
7. Sciences.
8. Interdisciplinary

New Areas for NCFs

School Education

1. 5+3+3+4 Curricular and Pedagogical framework
2. Early Childhood Care and Education
3. Foundational Literacy and Numeracy
4. Competency Based Education
5. Flexibility in Choice of Subjects in Secondary Classe
6. No Hard Separations
7. Reduction of Curriculum to Core Essentials
8. Benchmarking learning levels in classes 3, 5 and 8 at elementary level
9. Reimagining Vocational education
10. Identification of Core Skills and Content
11. Multilingualism

SYSTEMIC REFORMS

- Linkages between School Education and Higher Education
- Systemic response to skill-based education
- Exam reforms and Holistic Progress card
- School-Community Relation
- Strengthening Resource Organisations
- Textbook designs

New Areas for NCFs

12. 21stC skills: The skills have been grouped into three main areas:

- **Learning and innovation skills**: critical thinking and problem solving, communication, collaboration, and creativity and innovation
- **Digital literacy skills**: information literacy, media literacy, Information and communication technologies (ICT) literacy
- **Career and life skills**: flexibility and adaptability, initiative and self-direction, social and cross-cultural interaction, productivity and accountability

13. Life skills:problem solving, critical thinking, effective communication skills, decision-making, creative thinking, interpersonal relationship skills, self-awareness building skills, resilience, empathy, and coping with stress and emotions.

14. Inclusive Education including needs of Gifted Children

15. Experiential learning

- Integration of arts and craft, toys, health and well-being, sports and physical education
- Bagless Days from class 6th onwards,
- Internship with artisans during school education for skill development

राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा

उपलब्धियां:

- मोबाईल ऐप सर्वे – लक्ष्य 3000 के विरुद्ध 4376 सर्वे (अप्रैल 2022)
- 25 फोकस पेपर तैयार कर NCERT के पोर्टल मे अपलोड (मई 2022) फोकस पेपर गूगल ड्राइव में उपलब्ध
- 7 राज्य स्तरीय परामर्श बैठक (DLCs) तथा 3 राष्ट्रीय स्तर परामर्श बैठक का आयोजन
- बुनियादी स्तर के लिए राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा (SCF-FS) तथा स्कूल शिक्षा के लिए राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा (SCF-SE) तैयार।
- NEP 2020 की अनुशंसा के आधार पर SCFFS & SCFSE का State Steering Committee से दि. 11.06.2024 को अनुमोदन।

NCF SE 2023 Vs NCF 2005

NCF SE 2023 का उद्देश्य पहले के मॉडलों की कमियों को दूर कर और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप होना है।

समग्र विकास:

- NCFSE: संज्ञानात्मक, भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक पहलुओं सहित समग्र विकास पर जोर
- NCF 2005 मुख्य रूप से संज्ञानात्मक विकास और शैक्षणिक उपलब्धि पर केंद्रित।

लचीलापन और विकल्प:

- NCFSE: विषयों के चुनाव में लचीलापन और अंत:विषयक शिक्षण
- NCF 2005: सीमित विकल्पों के साथ कठोर संरचना।

अनुभवजन्य अधिगम:

- NCFSE: जांच-पड़ताल आधारित और अनुभवजन्य अधिगम
- NCF 2005: सैद्धांतिक और पाठ्यपुस्तक आधारित शिक्षण।

मातृभाषा और बहुभाषिकता:

- NCFSE मातृभाषा निर्देश को प्राथमिकता और बहुभाषिकता को बढ़ावा
- NCF 2005: मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं पर सीमित

व्यावसायिक शिक्षा:

- NCFSE शुरुआती चरणों से व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करता है, विभिन्न विकल्प
- NCF 2005: व्यावसायिक शिक्षा को अक्सर माध्यमिक या तृतीयक स्तर के विकल्प के रूप में

आकलन और मूल्यांकन:

- NCFSE: निदानात्मक आकलन, निरंतर मूल्यांकन और आकलन के कई रूपों पर केंद्रित
- NCF 2005: मुख्य रूप से योगात्मक आकलन और मानकीकृत परीक्षणों पर निर्भर।

शिक्षक प्रशिक्षण और विकास:

- NCFSE: नए पाठ्यक्रम के अनुरूप शिक्षक प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास पर जोर
- NCF 2005: शिक्षक प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास पर सीमित ध्यान।

NCF SE 2023 Vs NCF 2005

विशेषता	NCFSE 2023	NCF 2005
फोकस	समग्र विकास	संज्ञानात्मक विकास
पाठ्यक्रम संरचना	लचीला, अंत:विषयक	कठोर, विषय-आधारित
अधिगम दृष्टिकोण	अनुभवजन्य, जांच-पड़ताल आधारित	सैद्धांतिक, पाठ्यपुस्तक आधारित
भाषा पर जोर	मातृभाषा, बहुभाषिकता	मातृभाषा पर सीमित जोर
व्यावसायिक शिक्षा	शुरुआती चरणों से एकीकृत	माध्यमिक या तृतीयक स्तर
आकलन	निदानात्मक, निरंतर, कई रूप	योगात्मक, मानकीकृत परीक्षण
शिक्षक प्रशिक्षण	निरंतर व्यावसायिक विकास पर जोर (CPD)	सीमित फोकस

Implications of New Curriculum Framework

Based on this new framework, many things begin to change

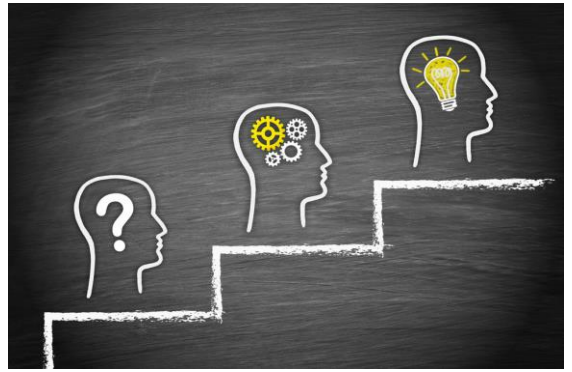

A. पाठ्यपुस्तकें और शिक्षण सामग्री
B. शिक्षक तैयारी और सतत शिक्षक व्यावसायिक विकास
C. कक्षा की प्रक्रियाएँ
D. आकलन

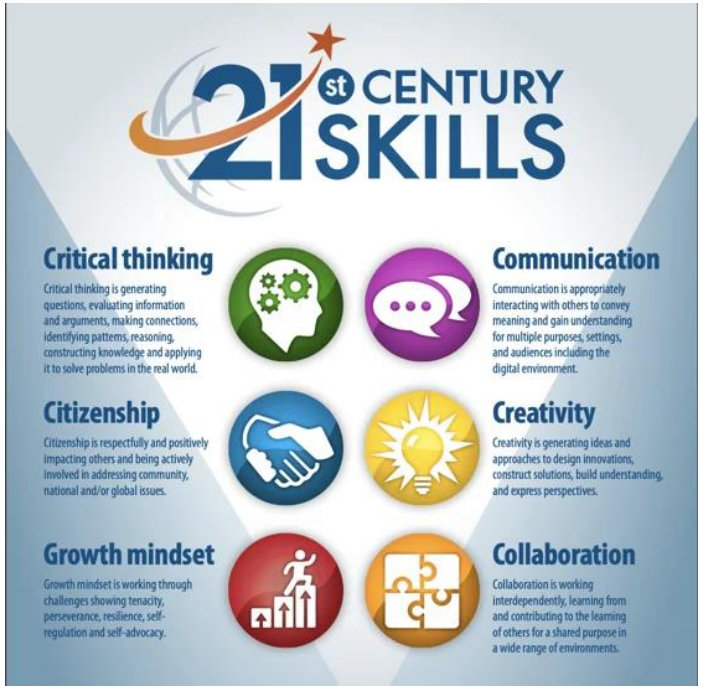

Curricular Goals for SCF (School Education):

विभिन्न चरणों में पाठ्यक्रम डिजाइन के लिए व्यापक उद्देश्य

- प्रारंभिक वर्षों में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक कौशल विकसित करना।
- विभिन्न शिक्षण क्षेत्रों में ज्ञान को एकीकृत करना।
- आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और निर्णय लेने के कौशल को बढ़ाना।
- रचनात्मकता, नवाचार और उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देना।
- छात्रों को उच्च शिक्षा या कार्यबल के लिए तैयार करना।
- संचार, सहयोग और सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा जैसे आवश्यक जीवन कौशल का पोषण करना।

Competencies [SCF (School Education)]

SCF-SE छात्रों में प्रमुख दक्षताओं को विकसित करने पर जोर देता है, जो सिर्फ ज्ञान प्राप्त करने से परे हैं।

- सीखना सीखना: अपने स्वयं के सीखने को प्रभावी ढंग से प्रबंधित और निर्देशित करने की क्षमता।
- सोच कौशल और समस्या-समाधान: जानकारी का विश्लेषण करने, गंभीर रूप से सोचने और रचनात्मक रूप से समस्याओं को हल करने की क्षमता।
- संचार कौशल: विभिन्न संदर्भों में स्वयं को स्पष्ट और प्रभावी ढंग से व्यक्त करने की क्षमता।
- सहयोग: टीम वातावरण में दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से काम करने की क्षमता।
- डिजिटल साक्षरता: सीखने, अनुसंधान और संचार के लिए प्रौद्योगिकी का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की क्षमता।

पाठ्यपुस्तक लेखन

- NEP 2020 के अनुक्रम में कक्षा 1, 2, 3 तथा 6 की सभी 23 पाठ्यपुस्तकों (अंग्रेजी/ हिंदी माध्यम) जनवरी 2025 तक निर्माण का लक्ष्य, सत्र 2025-26 से शासन के अनुमोदन पश्चात लागू।
- शेष कक्षाओं के पाठ्यपुस्तकों का निर्माण NCERT द्वारा पाठ्यपुस्तकों के अनुरूप।
- शासन स्तर पर प्रोफेसर आलोक चक्रवाल, कुलपति गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर को अध्यक्ष मनोनीत करते हुए राज्य शिक्षा स्थायी समिति का गठन।
- कक्षा 11 वीं एवं 12 वीं हेतु NCERT की पुस्तकों को लागू किये जाने पर विचार।

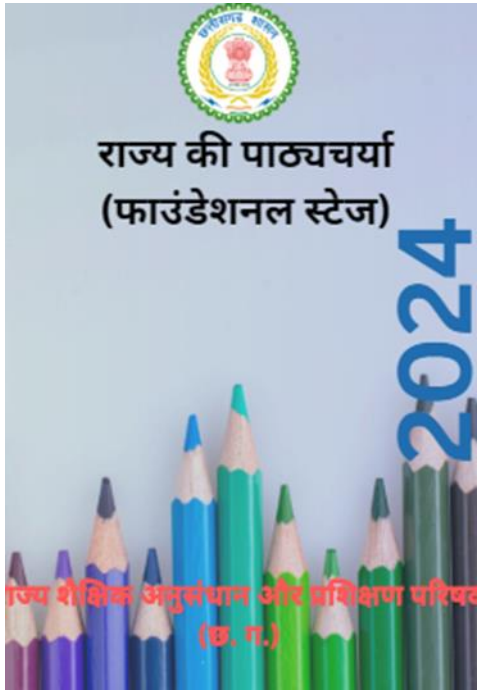

राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा:

भावी योजना

1. स्कूल शिक्षा के लिए राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा (SCF- SE) को अंतिम रूप प्रदान कर अनुमोदन कराना
2. NCF-AE (Adult Education) एवं NCF-TE (Teacher Education) राष्ट्रीय स्तर पर जारी होने के उपरांत राज्य के लिए इन्हे अनुकूलित करना
3. पाठ्यचर्या की रूपरेखा पर राज्य स्तर पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन (For different Stakeholders)
4. NEP 2020 की अपेक्षाओं के अनुरूप स्कूल शिक्षा के प्रत्येक स्तर के लिए पाठ्यक्रम का निर्माण

OUR EARLIER DOCUMENTS
(CURRICULUM FRAMEWORKS)

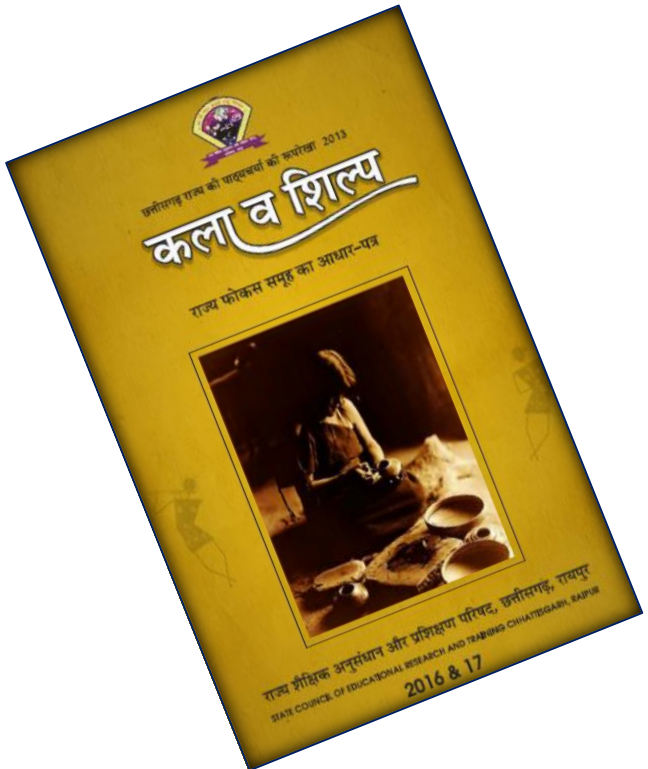

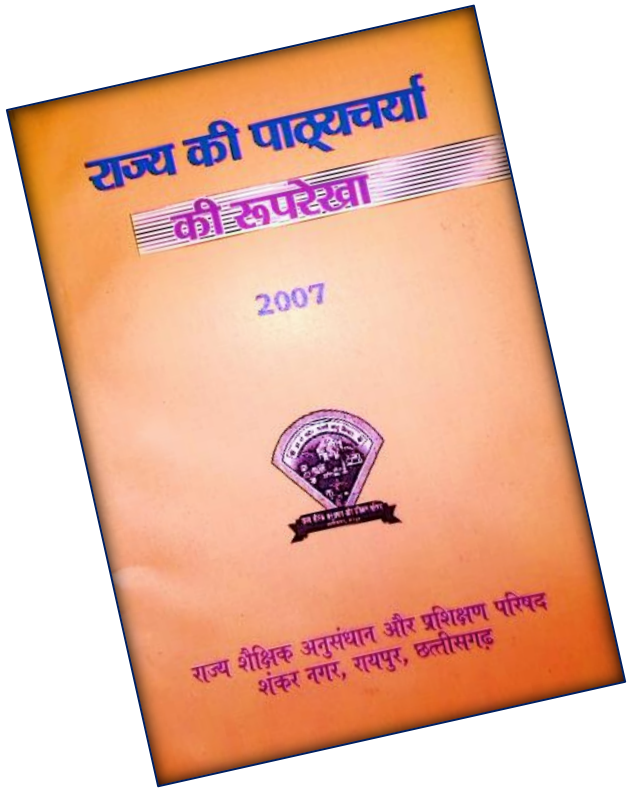

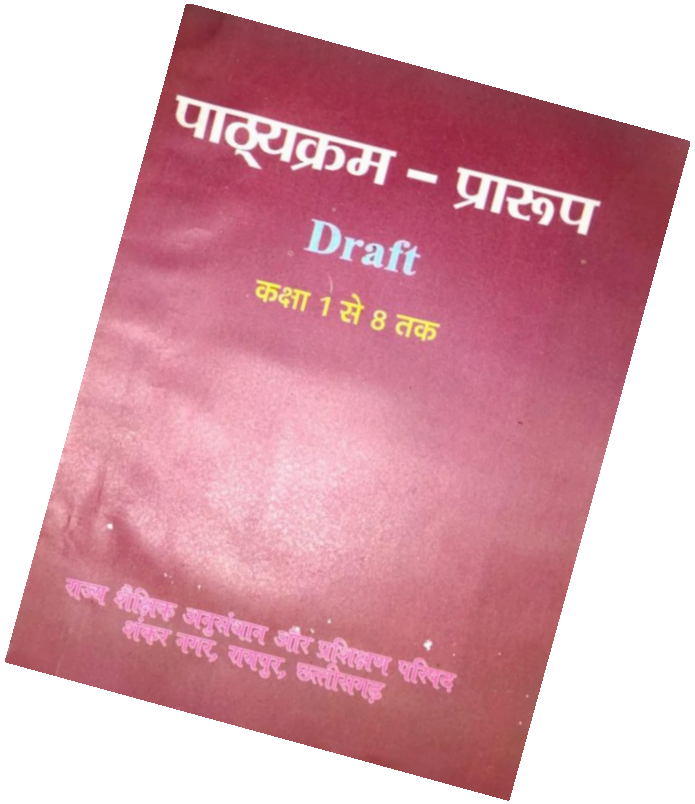

Thank
you!